प्रश्न–पत्र की योजना 2024

कक्षा – 12th
विषय – राजस्थानी साहित्य
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	32	40
2.	अवबोध	28	35
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	10	12.5
4.	कौशल / मौलिकता	10	12.5
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	15	1	15	18.75	29.41	20
2.	रिक्त स्थान	7	1	7	8.75	13.73	15
3.	अतिलघुत्तरात्मक	10	1	10	12.50	19.60	15
4.	लघुत्तरात्मक	12	2	24	30.00	23.52	50
5.	दीर्घउत्तरीय	4	3	12	15.00	7.84	40
6.	निबंधात्मक	3	4	12	15.00	5.89	55
	योग	51		80	100		195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभर	प्रतिशत
1	राणो चौबोली री बात	1	1.25
2	अचलदास खीची री बचनिका	1	1.25
3	मारवाड़ रा परगना री विगत	1	1.25
4	वैताल पचीसी री अकवीसभी कथा	1	1.25
5	हर्ष जीण री लोक गाथा	2	2.50
6	कनक सुन्दर	2	2.50
7	अलेख हिटलर	2	2.50
8	बंटवारों	3	3.75
9	गाय कठै बांधू	1	1.25
10	आज रो सखण	1	1.25
11	माटी री मनस्या / बांझ	1	1.25
12	सुख–दुख	1	1.25
13	चामल रा घाट पे	1	1.25
14	सवाल शुद्धता रो	1	1.25
15	मित्युरासौ	3	3.75
16	नुकती दाणा	1	1.25
17	गलगचिया	1	1.25
18	साहित्य रो मकसद (प्रेमचंद)	4	5.00
19	रणमल्ल छंद	3	3.75
20	ढोला मारू रा दूहा	4	5.00
21	वीसलदेव रास	4	5.00
22	सबद	1	1.25

Downloaded from cclchapter.com

23	देवयांण	1	1.25
24	राम रासौ	1	1.25
25	आपौ इंगरेज मुलक रै उपर	3	3.75
26	आतम संबोध	1	1.25
27	भक्ति रा पद	2	2.50
28	तमाखू री ताड़ना	2	2.50
29	सपनौ आयौ	1	1.25
30	मरण पंथ रा पंथी	1	1.25
31	लिछमी	1	1.25
32	कतनी बार मरू /काजली तीज	1	1.25
33	भासा सू अरदासा औजाबौ	1	1.25
34	टूटी ओदोणिये/ अेक वाटली आटा नु स्गु	1	1.25
35	राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास	6	7.50
36	काव्य री परिभाषा, तत्व भंद प्रयोजन अर राजस्थानी छंद अर अलंकार	12	15.00
37	राजस्थानी निबन्ध लेरछण	6	7.50
	योग	80	100

Downloaded from cclchapter.com

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 12 विषय :– राजस्थानी साहित्य पूर्णांक – 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति						कौशल/मौलिकता						योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	राणो चौबोली री बात	1(1)																								1(1)
2	अचलदास खीची री बचनिका							1(1)																		1(1)
3	मारवाड़ रा परगना री विगत	1(1)																								1(1)
4	वैताल पचीसी री अकवीसभी कथा	1(1)																								1(1)
5	हर्ष जीण री लोक गाथा				2(1)																					2(1)
6	कनक सुन्दर				2(1)																					2(1)
7	अलेख हिटलर										2(1)															2(1)
8	बंटवारों											3(1)														3(1)
9	गाय कठै बांधू		1(1)																							1(1)
10	आज रो सखण								1(1)																	1(1)
11	माटी री मनस्या/बांझ									1(1)																1(1)
12	सुख–दुख			1(1)																						1(1)
13	चामल रा घाट पे									1(1)																1(1)
14	सवाल शुद्धता रो			1(1)																						1(1)
15	मित्युरासौ											3(1)														3(1)
16	नुकती दाणा	1(1)																								1(1)
17	गलगचिया		1(1)																							1(1)
18	साहित्य रो मकसद (प्रेमचंद)																		4(1)							4(1)
19	रणमल्ल छंद	1(1)			2(1)																					3(2)

20	ढोला मारू रा दूहा				2(1)						2(1)															4(2)
21	वीसलदेव रास				2(1)						2(1)															4(2)
22	सबद	1(1)																								1(1)
23	देवयांण		1(1)																							1(1)
24	राम रासौ							1(1)																		1(1)
25	आपौ इंगरेज मुलक रै उपर																3(1)									3(1)
26	आतम संबोध							1(1)																		1(1)
27	भक्ति रा पद				2(1)																					2(1)
28	तमाखू री ताड़ना										2(1)															2(1)
29	सपनौ आयौ	1(1)																								1(1)
30	मरण पंथ रा पंथी	1(1)																								1(1)
31	लिछमी	1(1)																								1(1)
32	कतनी बार मरू /काजली तीज	1(1)																								1(1)
33	भासा सू अरदासा औजाबौ		1(1)																							1(1)
34	टूटी ओदोणिये/ अेक वाटली आटा नु हगु			1(1)																						1(1)
35	राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास	1(1)							1(1)	1(1)							3(1)									6(4)
36	काव्य री परिभाषा, तत्व भंद प्रयोजन अर राजस्थानी छंद अर अलंकार	1(1)		1(1)					1(1)	3(3)	2(1)														4(1)	12(8)
37	राजस्थानी निबन्ध लेरछण																						2(1)		4(1)	6(2)
	योग	**12 (12)**	**4(4)**	**4(4)**	**12(6)**			**3(3)**	**3(3)**	**6(6)**	**10(5)**	**6(2)**						**6(2)**	**4(1)**				**2(1)**		**8(2)**	**80(51)**
				32(26)						**32(19)**				**10(3)**				**10(3)**								

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है **नोटः–** कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

हस्ताक्षर

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024
Senior Secondary Examination, 2024
नमूना प्रश्न–पत्र
Model Paper
विषय – राजस्थानी साहित्य
Sub : Rajasthani Sahitya

समय : 03 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थी साख निर्देश :–

1. सबसू पैली आपर्रे प्रश्न रा पदन्तर राजस्थानी भांसा मांय ईज देवणा है।
2. सगला सवाल करना जरूरी है।
3. हरेक सवाल रो पडूतर उत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणों है।
4. अेक सू अधिक भाग वाला सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ।
5. लेखन मायं सुद्धता अर सुलेख रो विसेस ध्यान राख्तां ओपते पडूत्तर देवो।
6. वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रो विसेस ध्यान राख्तां ओपते पडूत्तर देवो।

खण्ड – अ
Section - A

1) नीचें लिख्ये सवाला रा पडूत्तर सही विकल्प छांट 'र उत्तर पुस्तिका मायं लिखे। (15)

i) उजेण नगरी रो राजा कुण हो ? (1)

अ) सिकन्दर ब) महाराणा प्रताप

स) राजा भोज द) अकबर

ii) नागौर पट्टी रौ जूनौ नांव काई हौ ? (1)

अ) नागौरण ब) सवाळष

स) नागरवाळ द) नागधरा

iii) विष्णु स्वामी रा बेटा आपरी विद्या सूं किणनै जीवतौ करयो ? (1)

अ) घोड़ै नैं ब) हाथी नैं

स) गिरगै नैं द) सिंहा नैं

iv) गद्यकाव्य 'नुकती–दाणा' री रचना कुण करी ही ? (1)

अ) कन्हैयालाल सेठिया ब) गोविन्द अग्रवाल

स) प्रेमचंद द) जसनाथ

v) राव रणमल्ल किणरे साथै जुद्ध करियो ? (1)

अ) जफर खां सू ब) नासिरूद्दीन सू

स) मुहम्मद शाह सू द) सुल्तान सू

vi) जसनाथ जी रौ बाकपणै रो कांई नावं हो ? (1)

अ) जसवंत ब) गौरखनाथ

स) राजा भोज द) ईसरदास

vii) 'सपनौ आयौ' कविता किण कवि री रचना है ? (1)

अ) गिरधारी लाल पडियार ब) हीरालाल शास्त्री

स) शंकर दान सामौर द) अस्त अली खां

viii) सुमनेश जोशी जी रैवासी हा ? (1)

अ) अजमेर ब) पूगक

स) जोधपुर द) बीकानेर

ix) सोसण मुगत समाज री थापना रा हिमायती हा ? (1)

अ) गिरधर व्यास ब) गौरखनाथ

स) रेवतदान धारण द) शंकरदान

x) रघुराजसिंह हाड़ा रौ जलम कद हौयो ? (1)

अ) 25 अप्रेल 1933 ब) 21 नवम्बर 1943

स) 31 मार्च 1933 द) 25 दिसम्बर 1943

xi) मुरलीधर आपरी राजस्थानी कहाणी री सरूआत किण कहाणी संग्रे सू करी ? (1)

अ) मांटी री हांडी ब) अमर चूनड़ी

स) प्रभातियौ तारौ द) कन्यादान

xii) श्रव्य काव्य कितरी तरै रा हुवै ? (1)

अ) पांच ब) तीन

स) सात द) दो

xiii) अचलदास खीची किणरै सागै जुद्ध करयौ ? (1)

अ) औरंगजेव ब) अलाउद्दीन

स) आलमशाह गौरी द) अकबर

xiv) ''राम रासौ' मूल रूप सू किण भातं रो महाकाव्य है ? (1)

अ) भक्ति परक ब) भाव परक

स) सृजनात्मक द) प्रेम रस

xv) श्रीमद जयाचार्य परलोक धाम सिधार्‌या ? (1)

अ) वि.स. 1919 ब) वि.स. 1938

स) वि.स. 1940 द) वि.स. 1932

2) **खाली जग्या नै भरता थंका पडूत्तर उत्तरपुस्तिका मांय लिखौ।** (7)

i) रामस्वरूप किसान ..... पत्रिका रा संपादक हा। (1)

ii) पाथल अर पीपल कविता रा लेखक ..... हा। (1)

iii) टाबरपणा मायं ईसरदास रौ पाळण–पोसण..... करियो। (1)

iv) चंदप्रकाश देवल नै भारत सरकार सूं ..... सम्मान मिळयों। (1)

v) आज रौ सरवण लघु कथा री लेखिका ..... है। (1)

vi) ..... आधुनिक काल रा संगळां पैलड़ा कवि मानीजै। (1)

vii) काव्य रै ..... पख नै सिरै मान्यौ जाय सकै। (1)

3) सवालां रा पड़त्तर अेक ओळी मायं लिखो। (10)

i) देह धरै रा दण्ड है सब कोऊ को होय' ओळी रौ भाव लिखौ। (1)
ii) घी दूध री नदिया किण देस मायं बैवती ही ? (1)
iii) 'वागडी किण खेत्र री बोली है ? (1)
iv) वेलियो छंद किण भांत रौ छंद है ? (1)
v) कुमार माटी नै कांई बणावण रौ पूछयों ? (1)
vi) 'चामळ रा घाट पे' रेखा चितराम मायं राजस्थानी भासा री कुणसी बोली रो मिठास है ? (1)
vii) डॉ मोतीलाल मेनारिया आपरी पोथी राजस्थानी भाषा और साहित्य में कितरा जैन रचनाकर रा नाम गिणाया ? (1)
viii) छंदा रा मोंटै रूप सू मानि ज्योड़ा भेदां रा नावं लिखो ? (1)
ix) उपमा अलंकार रा भेद बतावौ ? (1)
x) आचार्य मम्मट रै मुजब काव्य रौ मुळ प्रयोजन कोई है ? (1)

खण्ड – ब
Section - B

4) सवाल 4 नीचै लिख्योड़ा सवालां रा पडूत्तर लगै–टगै 30 सबदां मायं लिखो। (24)

i) 'हर्ष जीण री लोकगाथा' सू मिळण वाळी प्रेरणा ने आपरा सबदा मायं लिखो। (2)

ii) साहब मुरलीधर री शिफारिश रायबहादुर खिताब सारू क्यू करी ? (2)

iii) धरती माथै कुण आतंक अर धूंध मचा राखी ही ? अर किण भांत ? (2)

iv) मारवणी ढोला तांई कांई संदेस पूगायौ ? (2)

v) ''आसोज रै महीनौ नूंवौपण अर उल्लास लावै। ''इण कथन ने आपरा सबदा मायं लिखौ ? (2)

vi) ''सोनौ व्है तो भदै सवायौ, तामो वृथा तपायो। ''इण ओळी ओ भाव लिखो। (2)

vii) बतुळिया रै वैग सू दौड़ती साइकिल अणछक ट्रेक्टर सू टकराई। घटना रो आपरा सबदा में करो। (2)

viii) मारवणी रै विरह भाव ने उजागर करो। (2)

ix) 'आसोजई धण मंडिया आस' मडिया मंदिर घर कविलास रौ भाव लिखो। (2)

x) 'तमाखू री ताड़ना' में कवि किण भांत तमाखू विसन नैं बुरौ बतायौ है ? (2)

xi) छंदा रा मैतब लिखो। (2)

xii) निबंध लेख रा मूळ तत्वा में भाव, भासा अर सैली ने किण भात सिरै मानिजै। (2)

खण्ड – स
Section - C

5) नीचे लिखी ओळया रै भावां रो खुलासौ अर सप्रंसग व्याख्या करो।

i) जकी चुंतरी माथै आखै गांव री चौपाल जुड़या करती गाव रै विकास री बातां होय करती, अबै बढै पटका–पछाड़ी री योजना बणवा लागगी। (3)

अथवा

गांव में काम सारू सरकारी हाकम, पखाटी, सिपाही, आद आवता तद लबेरदार री बैठक में रूकता। जाण पिछाण वाळा ई वी, राह–बगता बटाऊ भी रातवासौ लेवता। सैगं जणा नै डोळ–माजणै सारू आवभगत रोटी–खाट मिळती।

ii) ''राजस्थानी साहित्य रौ मध्यकाल सांचै अरथां में भक्तिकाल है।'' इण कथन ने पुख्ता करण सारू विचार प्रगट करौ। (3)

अथवा

राजस्थानी नाटकां री उत्पत अर विकसाव री विरोळ आपरां सबदां मायं करो।

iii) म्हारी अंतिम–जातरा में सामल लोगो में वै लोग ई भेळा हा, जका मौको लाग्यो म्हारी टांग खीचंण सू नी चूकता, पण आज अरथी रै खांधों देवण साख ताता दीसै हा। म्हारी आतमा तौ इणयें ई वांरौ कोई स्वारथ निगै आयौ। (3)

अथवा

म्हारै मरिया पछै घर में कूका–रोळौ मचग्यौ। म्है जीवतो हौ जितै घरवाळा मायं रा माथं धमीड़ लेय लेवता पण अवै तो वे चौडे–धाड़े लेवण लागग्या हां। आड़ोसी पाडोसी भेळा होय

थावस बंधावण नै आयग्या। बियां तौ बांनै मरण री ई फुरसत कोनी, पण अबार केई दिना सू वै म्हारै मरण री झाक में हा। सुख–दुख में पाडोसी ई आडा आवै, सो वे ऊभा ई आयग्या।

iv) आयौ इंगरेज मुलक रै उपर, आहस लीधा खौचि डरां।
धणिया मरै न दीधी धरती, धणियां ऊभा गई धरा।। (3)

अथवा

बाजियौ भलौ भरतपुर वाळौ गाजै गज धजर नभ गोम।
पहिलां सिर साहब रौ पड़ियौ, भड़ ऊभै नंह दी धौ बोम।।

खण्ड – द

Section - D

6) (अ) नीचें लिख्या विसयां माथ सूं किणी अेक विसय माथै राजस्थानी भासा माथं निबन्ध लिखो। (4)

i) कन्या भ्रूण हत्या अेक महापाप
ii) राजस्थानी तीज त्यौहार
iii) देस निर्माण माथं मोट्यारा री भूमिका
iv) म्हारी व्हाली पोथी

(ब) काव्य रौ अरथ बतावता थकां उणरै त्तत्वां माथे उजास न्हाखौ। (4)

अर्थात

काव्य प्रयोजन री विगतवार जाणकारी देवौ।

(स) साहित्यकारां नै फूठरापै री कसौटी किण भातं वदळणी पड़ैला ? (4)

अर्थात

आधुनिक साहित्य मायं हकीकत बयान करणै प्रवृति किण भातं बध रैयी है।